क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 62, बुधवार, 27 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कांग्रेस ने जारी की एक और लिस्ट, कार्ति चिंदबरम को मिला टिकट

नई दिल्ली । पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम कांग्रेस के टिकट पर तमिलनाडु के शिवगंगा लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने रविवार को उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की है जिसमें 10 प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। इसके अनुसार बिहार के कटिहार से तारिक अनवर, बीके हरिप्रसाद बेंगलुरु दक्षिण से, कार्ति चिदंबरम ने तमिलनाडु के शिवगंगा और सुरेश धनकोरकर ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर से चुनाव लड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि एयरसेल मैक्सस केस पी चिदंबरम और उनके पुत्र कार्ति चिदंबरम पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगे हैं। आइएनएक्स मीडिया को 2007 में 305 करोड़ रुपये के विदेशी निवेश के लिए विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड ने मंजूरी दी थी। तब चिदंबरम ही वित्त मंत्री थे। सीबीआइ ने इसमें अनियमितता को लेकर 15 मई 2017 को प्राथमिकी दर्ज की थी। आइएनएक्स मीडिया को 2007 में तथा एयरसेल-मैक्सिस सौदे को 2006 में मंजूरी देने के मामले की सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय दोनों ही जांच कर रही हैं। सरकार एयरसेल-मैक्सिस मामले में चिदंबरम को आरोपित बनाने की मंजूरी पहले ही दे चुकी है। चिदंबरम ने हालांकि, इन कंपनियों में विदेशी निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने में किसी भी तरह का कुछ गलत किये जाने के आरोपों से इन्कार किया है।

पीयूष गोयल के बोल, इस बार अमेठी भी जीतेगी भाजपा

बरेली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और रेल मंत्री पीयूष गोयल ने दावा किया है कि उनकी पार्टी इस बार लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र अमेठी में भी जीत दर्ज करेगी। गोयल ने रविवार को यहां पार्टी की ''विजय संकल्प सभा'' को संबोधित करते हुये मोदी सरकार के कार्यों को गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने सवर्णों के लिये 10 फीसदी आरक्षण दिया। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई और उज्ज्वला योजना का भी उन्होंने हवाला दिया। भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा अपने चुनावी घोषणापत्र में अगले पांच साल में किये जाने वाले काम की जानकारी देगी। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुये कहा कि यह एक परिवार की पार्टी है और उसे बचाने में लगी है। गोयल ने कांग्रेस अध्यक्ष पर निशाना साधते हुये कहा कि वह तो यूपी से भागकर केरल जा रहे हैं और अमेठी में इस बार स्मृति ईरानी बड़े अंतर से चुनाव जीतेंगी। उन्होंने बरेली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष गंगवार और आंवला सीट से धर्मेंद्र कश्यप को बहुमत से जिताने की अपील की। उन्होंने बरेली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष गंगवार और आंवला सीट से धर्मेंद्र कश्यप को बहुमत से जिताने की अपील की।

लोकसभा चुनाव 2019

लोकसभा चुनाव 2019 : लालकृष्ण आडवाणी- ''बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले''

नई दिल्ली।

भारतीय राजनीति में पिछले करीब छह दशक से अपने प्रबुद्ध व्यक्तित्व, प्रखर बयानों, सूझबूझ भरे संगठन कौशल पर चढ़कर चुनावी सियासत की हवाएं पलट देने वाले और लंबे समय तक देश के एक प्रमुख राजनीतिक दल के पर्याय रहे लालकृष्ण आडवाणी हमेशा अपने दूरदर्शी फ़ैसलों के लिए पहचाने जाते रहे हैं। लेकिन जब अपने बारे में महत्वपूर्ण फ़ैसला करने के मौक़े आए तो क्या वह दीवार पर लिखी इबारत को भी पढ़ने से चूक गए? ऐसा केवल गुजरात के गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र से इस बार उन्हें टिकट न दिए जाने के मामले में ही नहीं हुआ है। इसके पहले चाहे 2005 में उनकी चर्चित पाकिस्तान यात्रा हो या फिर 2013-14 में भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के चयन का मामला हो, उनके निर्णय उन्हें धोखा दे चुके हैं। आडवाणी के राजनीतिक जीवन पर यदि नजर डालें तो अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के 2004 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद भारतीय राजनीति में यह लगभग तय हो गया था कि अब इस भगवा पार्टी की कमान आडवाणी ही संभालेंगे और यदि आगे कभी सरकार बनी तो उसकी अगुवाई भी वही करेंगे। किंतु राजनीति में जहां एक कदम आपको शिखर पर ले जाता है वहीं एक छोटे से रुख के कारण नेता अर्श से फर्श पर आ जाता है।आडवाणी के राजनीतिक जीवन की ढलान 2005 में पाकिस्तान यात्रा के दौरान शुरू हो गई थी। इस यात्रा का एक छिपा मकसद आडवाणी की स्वीकार्यता के फलक को मजबूती देना था क्योंकि रथयात्राओं और रामजन्म भूमि आंदोलन के कारण उनकी छवि एक हिन्दूवादी नेता की बन चुकी थी। पाकिस्तान यात्रा के दौरान आडवाणी ने न केवल मोहम्मद अली जिन्ना की मजार पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी बल्कि उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष नेता भी बताया। पाकिस्तान को लेकर आरएसएस और भाजपा के बिल्कुल अलग विचारों के कारण आडवाणी के इस बयान से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया और इसी के चलते पाकिस्तान से लौटने के फौरन बाद आडवाणी ने भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। तमाम राजनीतिक खींचतान के बावजूद भाजपा ने आडवाणी को अपना चेहरा बनाते हुए 2009 का चुनाव लड़ा। किंतु भाजपा सरकार बनाने में विफल रही और इसी के साथ आडवाणी की संभावनाओं का दायरा भी सिकुड़ गया। पार्टी में आडवाणी का सम्मान बरकरार रहने के बावजूद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें चुनौती दे सकने वाले नेता के रूप में धीमे-धीमे उभरने लगे। भाजपा ने 2014 के आम चुनाव से पहले मोदी को पार्टी की अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया तो आडवाणी ने परोक्ष असहमति जताई। फिर जब पार्टी ने मोदी को प्रधानमंत्री चुना तो आडवाणी ने चुप्पी साध ली। मोदी सरकार में 75 वर्ष की आयु का एक अलिखित नियम बनाकर आडवाणी सहित कई उम्रदराज नेताओं को कोई मंत्री पद नहीं दिया गया। बाद में पार्टी ने उनको मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया जिसे लेकर विपक्ष आज तक भाजपा पर तीखे तंज कसता है। आडवाणी ने प्रधानमंत्री पद के लिए उन्हें नहीं चुने जाने, सरकार में कोई पद नहीं मिलने और उन्हें मार्गदर्शक मंडल में डाले जाने को लेकर आज तक आरएसएस या भाजपा के विरूद्ध एक भी शब्द नहीं कहा। अब जबकि पार्टी ने आडवाणी की पारंपरिक गांधीनगर सीट से उन्हें टिकट न देकर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को उतारा है तो माना जा रहा है कि आडवाणी इस निर्णय पर भी मौन ही रहेंगे क्योंकि वह संघ औरपार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। आडवाणी को भाजपा में अटल बिहारी वाजपेयी के बाद सबसे कद्दावर नेता माना जाता है। इसका कारण भी स्पष्ट है। 1984 के आम चुनाव में भाजपा महज दो सीटों पर सिमट गई थी। उसके बाद इस पार्टी ने धीरे धीरे भारतीय राजनीति में जिस प्रकार अपने पैर मजबूती से जमाये और पहले विपक्ष की मजबूत आवाज के रूप में और फिर सत्ता में पहुंचने पर अपनी खास छाप छोड़ी, उसमें आडवाणी के व्यक्तित्व और उनकी रथयात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय राजनीति में आडवाणी को ''प्रथम रथयात्री'' का तमगा भी दिया जाता है। अविभाजित भारत में आठ नवंबर 1927 को कराची एक व्यावसायिक सिंधी परिवार में जन्मे आडवाणी की शुरूआती शिक्षा कराची, हैदराबाद (पाकिस्तान स्थित) में हुई।

राजग सरकार ने 'विनाश की राजनीति को विकास की राजनीति' में बदला : जयंत सिन्हा

जमशेदपुर।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने रविवार को कहा कि पिछले 60 महीनों में राजग सरकार ने विपक्ष की 'विनाश की राजनीति को विकास की राजनीति'' में बदल दिया है। उन्होंने दावा किया कि लोग लोकसभा चुनाव में एक करारा जवाब देंगे। सिन्हा ने पूर्वी सिंहभूम जिले में भाजपा के 'विजय संकल्प' कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी दल 'सत्ता हथियाने के अपने प्रयास' के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। सिन्हा ने महागठबंधन को 'महामिलावट' बताते हुए कहा,'मोदी नीत सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान विपक्षी पार्टियों की दुकानें बंद कर दी। वे (विपक्ष) मोदी के भय से एक गठबंधन बना रहे हैं लेकिन देश के लोग एक करारा जवाब देंगे।' उन्होंने अपने गृह जिले हजारीबाग में बहुद्देश्यीय कोनार बांध सहित केंद्र सरकार द्वारा झारखंड में हाथ में ली गई गई विकास परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा,'विपक्षी दल और भाजपा के बीच अंतर यह है कि वे निजी लाभों के लिए सत्ता में आते हैं जबकि हम समाज की सेवा का प्रयास करते हैं।' उन्होंने दावा किया कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने 15 अक्टूबर 1955 को हजारीबाग का दौरा किया था। उस समय यह निर्णय किया गया कि बांध विकसित किया जाएगा ताकि न केवल बोकारो में औद्योगिक उद्देश्यों के लिए बल्कि सिंचाई के लिए भी पानी की आपूर्ति की जा सके। उसके बाद 64 वर्ष बीत गए लेकिन परियोजना मोदी सरकार के कार्यकाल में ही आगे बढ़ी। सिन्हा ने कहा कि इसी तरह से डलभूमगढ़ में एक हवाई अड्डे की मांग दशकों तक पूरी नहीं हुई लेकिन मोदी सरकार में हाल में उसकी आधारशिला रखी गई।

बीजद की केंद्र में सरकार गठन में अहम भूमिका-नवीन पटनायक

नयागढ़ ।

बीजू जनता दल (बीजद) प्रमुख और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि इस बार किसी भी राजनीतिक पार्टी को सरकार बनाने के लिए भारी बहुमत नहीं मिलेगा और उनकी पार्टी केंद्र में सरकार के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस से हमेशा समान दूरी बनाए रखने का दावा करने वाले पटनायक ने रविवार को एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी राज्य की सभी 21 लोक सभा सीटें जीतेगी तथा केंद्र में सरकार के गठन में अहम भूमिका अदा करेगी। वर्ष 2014 की मोदी लहर के बीच हुए चुनाव में भी बीजद ने 21 में से 20 संसदीय सीटें जीतीं थीं जबकि भाजपा के खाते में एकमात्र सीट गई थी। बीजद प्रमुख ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए ओडिशा को लेकर केंद्र के उदासीन रवैये की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ओडिशा केंद्र की लापरवाही का शिकार है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ओडिशा को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा किया था लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद उनकी पार्टी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का संघर्ष जारी रखेगी।

कांग्रेस की 38 उम्मीदवारों की नई सूची में 4 पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी टिकट

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखंड और मणिपुर में लोकसभा की 38 सीटों के लिए शनिवार को उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की ओर से शनिवार रात जारी सूची के मुताबिक पार्टी ने वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह को भोपाल से उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला साध्वी प्रज्ञा से हो सकता है। एक चैनल के मुताबिक प्रज्ञा ने दिग्विजय के खिलाफ चुनाव लड़ने की अपनी इच्छा जाहिर की है। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को राज्य की नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट से टिकट दिया गया है। इसके अलावा महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण एक बार फिर से नांदेड़ से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली को कर्नाटक की चिकबल्लापुर लोकसभा क्षेत्र से टिकट दिया गयाहै। वहीं लोकसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को राज्य की गुलबर्गा सीट से फिर पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने उत्तराखंड में भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.सी. खंडूरी के बेटे मनीष को गढ़वाल संसदीय सीट से टिकट दिया है। महेश पाठक को मथुरा से टिकट दिया गया है। कर्नाटक में 18, मध्य प्रदेश में 9, महाराष्ट्र में 1, उत्तर प्रदेश में 3, उत्तराखंड में 5 और मणिपुर में 2 उम्मीदवार घोषित किए गए हैं। पार्टी ने लोकसभा उम्मीदवारों की यह आठवीं सूची जारी कीहै। वहीं पार्टी अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 53 तथा सिक्किम विधानसभा चुनाव के लिए ।

गुजरात मॉडल को 'भारत मॉडल' बनाने के लिए प्रत्याशी बने 'शाह'

नई दिल्ली ।

गुजरात के गांधी नगर संसदीय क्षेत्र से लाल कृष्ण अडवानी की जगह भाजपा अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद अमित शाह को टिकट देना नए युग का आरंभ होने जैसा है। इस बात की भी चर्चा है कि गुजरात मॉडल को 'भारत मॉडल' बनाने के लिए ही शाह को गांधीनगर से प्रत्याशी बनाया गया। पार्टी में तो पहले से ही अमित शाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद सबसे शक्तिशाली नेता समझे जाते हैं। अब अगर 2019 के लोकसभा चुनावों में दोबारा भाजपा की सरकार बनती है तो संभव है कि अमित शाह भाजपा में नंबर 2 से केन्द्र सरकार में भी नंबर 2 हो सकते हैं। राजनाथ सिंह को हटाकर ही अमित शाह पार्टी अध्यक्ष बने थे। अब कहा यह जा रहा है कि यदि भाजपा फिर से केन्द्र की सत्ता में आती है तो अमित शाह को गृह जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय दिया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह इतिहास के खुद को दोहराने जैसा ही होगा क्योंकि मोदी सरकार में अब तक गृह मंत्री का पद संभाल रहे राजनाथ सिंह उस स्थिति में दोबारा भारत के गृह मंत्री नहीं बन सकेंगे। अमित शाह भी राजनाथ सिंह की तरह ही 2 बार भाजपा अध्यक्ष रहे। 22 अक्तूबर, 1964 को जन्मे अमित शाह गुजरात के गृह मंत्री का पद भी संभाल चुके हैं। भारतीय राजनीति में मोदी और शाह की जोड़ी का कोई तोड़ नहीं है। दरअसल अमित शाह पहली बार नरेंद्र मोदी से 1982 में अपने छात्र जीवन के दौरान मिले थे। इसके बाद ही उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई थी। अमित शाह के लिए राजनीतिक जीवन की पहली बड़ी उपलब्धि थी 1991 में लाल कृष्ण अडवानी के लिए गांधीनगर संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार करना। इसके बाद शाह ने कभी मुड़कर पीछे नहीं देखा और 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को 71 सीटें जितवाकर उन्होंने सभी को अपनी राजनीतिक सूझबूझ का कायल बना दिया। जिस संसदीय क्षेत्र में पहली बार एक बड़े नेता के लिए चुनाव प्रचार किया, अब उसी सीट से लोकसभा चुनाव लडऩा अमित शाह के जीवन का एक नया पड़ाव है। यदि तमाम राजनीतिक विशेषज्ञों की बातों को सही मानें, तो गृह मंत्री पद का रास्ता अमित शाह के लिए गांधीनगर संसदीय सीट से ही होकर जाता है। गांधीनगर सीट से हमेशा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व चुनाव लड़ता रहा है। यह सीट भाजपा की सबसे सुरक्षित सीटों में से है। इस पर गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री व म.प्र. की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल अपनी बेटी अनार पटेल को चुनाव लड़ाना चाहती थीं। वह चाहती थीं कि अनार को गांधी नगर से टिकट दिया जाए।

इसके लिए सत्ता शीर्ष पर दबाव बनाए हुई थीं। उनसे अमित शाह की पटती नहीं है। कहा जा रहा है कि उनको (आनंदी व अनार) को मात देने के लिए यहां से भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को टिकट दिया गया। 2014 की तरह 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा गुजरात की सभी 26 सीटें जीतना चाहती है इसलिए भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को गांधी नगर संसदीय सीट से उतारा गया है। इस संसदीय क्षेत्र से भाजपा के सबसे बड़े नेताओं में से एक लाल कृष्ण अडवानी चुनाव लड़ते रहे हैं।

गुरुग्राम की घटना को लेकर राहुल ने साधा भाजपा और आरएसएस पर निशाना

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुग्राम में एक परिवार के सदस्यों की कुछ लोगों द्वारा बर्बर ढंग से पिटाई पर चिंता व्यक्त करते हुए शनिवार को दावा किया कि यह घटना भाजपा और आरएसएस द्वारा राजनीतिक ताकत के लिए नफरत का इस्तेमाल किए जाने के प्रति एक चेतावनी है। गांधी ने ट्वीट कर कहा,''गुरुग्राम में उपद्रवियों द्वारा एक परिवार की बेरहमी से पिटाई के वीडियो से हर देशप्रेमी भारतीय आहत है।'' उन्होंने कहा,''आरएसएस/भाजपा ने राजनीतिक शक्ति के लिए शत्रुता एवं घृणा का इस्तेमाल करते हैं। यह घटना उनकी इस रणनीति के भयावह परिणाम और स्याह पहलू को लेकर चेतावनी है।'' इस घटना को लेकर कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने खट्टर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा,''भयावाह भीड़तंत्र भाजपा राज का पर्याय बन गया है। खट्टर सरकार के जंगलराज में हरियाणा की कानून व्यवस्था तार-तार हो गई है। आम नागरिक भयभीत है एवं नफरत का माहौल

है।'' उन्होंने दावा किया,''ऐसी शर्मनाक दृश्य बताते है कि खट्टर राज में मानवता कितनी पिछड़ती जा रही है।''

अमेरिका की पाक को चेतावनी - भारत पर एक और आतंकी हमला होगा बड़ी मुसीबत साबित

वॉशिंगटन।

आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े अमेरिका ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि भारत पर एक और आतंकवादी हमला उसके लिए बहुत अधिक समस्या खड़ा करने वाला होगा। व्हाइट हाउस में एक सीनियर अधिकारी ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, पाकिस्तान को आतंकवादी समूहों के खिलाफ ठोस और निरंतर कार्रवाई करने की आवश्यकता है। क्षेत्र में फिर तनाव की स्थिति पैदा न हो इसके लिए खासतौर पर जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के खिलाफ कार्रवाई की आवश्यकता है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, अगर पाकिस्तान आतंकवादियों पर कार्रवाई नहीं करता है और भारत पर एक और हमला होता है तो यह पाकिस्तान के लिए बड़ी समस्या खड़ी करने वाला होगा जो दोनों देशों के बीच तनाव की वजह बनेगा और दोनों के लिए खतरनाक होगा। भारत द्वारा पाकिस्तान के बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने कहा कि अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा आतंकी संगठनों के खिलाफ अपरिवर्तनीय एवं अनवरत कार्रवाई की जरूरत है। अधिकारी ने कहा कि पूर्ण मूल्यांकन करना अभी जल्दीबाजी होगी।

अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ने हाल के दिनों में कुछ कार्रवाई की हैं। कुछ आतंकी संगठनों की संपत्तियों को जब्त कर दिया गया है और कुछ गिरफ्तारियां की हैं। जैश-ए-मोहम्मद की भी कुछ सुविधाओं को नियंत्रण में लिया गया है। हालांकि उन्होंने आगे जोड़ा कि वे अभी और बड़ी कार्रवाई देखना चाहते हैं।

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में सक्षम

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश पीसी घोष के देश के पहले लोकपाल के रूप में शपथ लेते ही देश में एक नई संस्था ने आकार ले लिया। हालांकि लोकपाल सदस्यों की भी घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं कि यह संस्था विधिवत ढंग से अपना काम कब से और कैसे करेगी? यह अस्पष्टता जितनी जल्दी दूर हो उतना ही अच्छा, क्योंकि पहले ही अनावश्यक देर हो चुकी है। करीब चार दशक के इंतजार के बाद 2013 में लोकपाल संबंधी विधेयक को संसद की मंजूरी मिल गई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से लोकपाल और उसके सदस्यों के नाम तय करने में छह साल लग गए। चूंकि यह जरूरी काम देर से और लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद हुआ इसलिए उस पर सवाल भी उठे। इन सवालों की अनदेखी नहीं की जा सकती, लेकिन अब ज्यादा जरूरी यह है कि केंद्रीय स्तर के नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने वाली लोकपाल नामक नई संस्था उन उम्मीदों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़े जो उससे लगाई गई थीं और जिनके चलते एक समय पूरा देश आंदोलित हो उठा था। निःसंदेह लोकपाल संस्था इसीलिए अस्तित्व में आई, क्योंकि अन्ना हजारे के नेतृत्व में एक प्रभावी आंदोलन उठ खड़ा हुआ था। इसमें दोराय नहीं कि इस संस्था के सामने खुद को सक्षम साबित करने की चुनौती है। यदि लोकपाल पीसी घोष और उनके आठ सहयोगी इस चुनौती का सामना सही तरह करते हैं तो वे न केवल उम्मीदों को पूरा करेंगे, बल्कि भ्रष्टाचार से लड़ने के मामले में एक प्रतिमान भी स्थापित करेंगे। यह प्रतिमान इसलिए स्थापित होना चाहिए, क्योंकि एक तो भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की सख्त जरूरत है और दूसरे राज्यों के लोकायुक्तों के समक्ष उदाहरण पेश करने की भी आवश्यकता है। यह सही है कि भ्रष्टाचार से लड़ने का काम केंद्रीय जांच ब्यूरो और सुप्रीम कोर्ट के जरिये अभी भी हो रहा है, लेकिन सीबीआइ की अपनी सीमाएं हैं और फिर वह सरकार के नियंत्रण में काम करने वाली एजेंसी है। इसी तरह सुप्रीम कोर्ट की भी अपनी सीमाएं हैं। एक तथ्य यह भी है कि वह न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के सवाल को सही तरह नहीं हल कर सका है। इन हालात में सरकार से इतर एक स्वतंत्र एवं स्वायत्त संस्था चाहिए ही थी। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि लोकपाल संस्था अपने कार्य-व्यवहार से अपनी साख बनाने का काम करे। यह बहुत कुछ उसके कामकाज के तौर-तरीकों पर निर्भर करेगा। उचित यह होगा कि नई सरकार का गठन होने के पहले ही लोकपाल संस्था जांच और अभियोजन संबंधी अपने तंत्र का गठन कर ले। केंद्रीय सेवाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को इसका आभास होना आवश्यक है कि भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एक नई और सक्षम संस्था अस्तित्व में आ चुकी है। लोकपाल संस्था के सक्रिय होने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आने के साथ ही भ्रष्ट तत्वों के मन में भय व्याप्त होना आवश्यक है। बेहतर होगा कि राज्य सरकारें भी इसकी चिंता करें कि लोकायुक्त अपने दायित्व का निर्वहन सही तरह कर पा रहे हैं या नहीं?

कसौटी पर खरा उतरना होगा

[संजय गुप्त]

लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित होने के बाद इस राजनीतिक महासंग्राम के लिए राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों की सूची घोषित करनी शुरू कर दी है। जल्द ही ये प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल करने के लिए निकल पड़ेंगे, लेकिन इसी के साथ यह बहस छिड़ जाएगी कि उनका चयन किस आधार पर किया गया? क्या वे उपयुक्त उम्मीदवार हैं? क्या उनसे बेहतर उम्मीदवार नहीं हो सकते थे? हर चुनाव के समय मतदाताओं के सामने यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर वह किस उम्मीदवार को बेहतर माने और दल की योग्यता को प्राथमिकता दे या फिर उम्मीदवार की योग्यता को? भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में राजनीति अब जनसेवा कम, बल्कि व्यवसाय का माध्यम अधिक बन गई है। ऐसे में यह आवश्यक है कि प्रत्याशी के चयन की कोई प्रक्रिया तय हो। फिलहाल ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जो राजनीतिक दलों को इसके लिए बाध्य करे कि वह प्रत्याशियों का चयन एक सुनिश्चित प्रक्रिया के तहत करें। प्रत्याशियों के चयन को लेकर जिस तरह किचकिच होती है वह किसी से छिपी नहीं। जो दावेदार प्रत्याशी नहीं बन पाते वे या तो भितरघात करते हैं या विद्रोह करते हैं अथवा दूसरे दलों में शामिल हो जाते हैं। दरअसल ऐसे नेता अपने निजी हित साधने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि राजनीति उनके लिए व्यवसाय बन गई है। हालांकि नेताओं के पालाबदल या भितरघात से खुद राजनीतिक दलों को ही नुकसान होता है, लेकिन वे प्रत्याशी चयन की कोई पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए तैयार नहीं। बेहतर होगा कि निर्वाचन आयोग यह काम करे। इससे प्रत्याशी चयन की दौड़ में पिछड़े नेताओं को कोई मलाल नहीं रहेगा और वे चयनित प्रत्याशी के पक्ष में खड़े होंगे। भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पहलू यह भी है कि राजनीतिक दल उम्मीदवारों का चयन निर्वाचन क्षेत्र के जातीय या फिर मजहबी समीकरणों के आधार पर करते हैं। वे उम्मीदवारों की छवि के बजाय यह देखते हैं कि वह जीतने की क्षमता रखता है या नहीं? उम्मीदवारों की जीतने की क्षमता को अधिक महत्व दिए जाने के कारण यह देखने से भी इन्कार किया जाता है कि वह साफ-सुथरी छवि वाला है या नहीं? उम्मीदवारों के चयन में जाति, उपजाति, मजहब आदि को प्राथमिकता इसलिए भी मिलती है, क्योंकि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग अपनी जाति, उपजाति या मजहब वालों को वोट देना पसंद करता है। इसके चलते वह उनकी छवि और उनके क्रियाकलापों की अनदेखी करता है। जाहिर है कि अगर आम जनता यह चाहती है कि राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन में जाति, मजहब को महत्व न दें और साफ-सुथरी छवि वाले योग्य लोगों को प्रत्याशी बनाएं तो उन्हें जाति, मजहब के आधार पर वोट देना बंद करना होगा। उन्हें ऐसे राजनीतिक दलों को भी हतोत्साहित करना होगा जो चुनाव बाद किसी से भी गठबंधन करने के लिए तैयार रहते हैं। जब ऐसा होता है तो एक तरह से जनादेश का अपहरण ही होता है। यह भी आवश्यक है कि आम चुनाव में मतदाता राष्ट्रीय मुद्दों को प्राथमिकता दें और यह देखें कि कौन दल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध और समर्थ है। राष्ट्रीय हितों में तेज विकास भी शामिल है और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना एवं शासन-प्रशासन में सुधार करना भी। राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में समर्थ राजनीतिक दलों का निर्धारण करते समय उनकी कथनी-करनी के अंतर को भी देखा जाना चाहिए और उनके अब तक के कार्य-व्यवहार को भी। जहां तक स्थानीय विकास की बात है तो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विकास के मामलों में सांसद की भूमिका सीमित ही होती है। एक अकेला सांसद किसी भी संसदीय क्षेत्र का अपने बलबूते विकास नहीं कर सकता। इसके लिए व्यवस्था में सुधार आवश्यक है और यह काम बदलाव लाने को प्रतिबद्ध राजनीतिक दल ही कर सकता है। राजनीतिक दलों पर सुधार की दिशा में आगे बढ़ने या फिर अपनी नीतियों में परिवर्तन लाने के लिए दबाव भी बनाया जा सकता है। राजनीतिक दल जन दबाव में आते भी हैं और अपनी रीति-नीति को परिवर्तित भी करते हैं। सांसद ऐसा मुश्किल से ही करते हैं। वे जन दबाव में खुद को बदलने के बजाय दलबदल करना या फिर नए निर्वाचन क्षेत्र जाना पसंद करते हैं। हालांकि मतदाताओं के सामने अब एक विकल्प नोटा का भी है। वह योग्य प्रत्याशियों के अभाव में किसी को भी वोट न देने के अधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन मौजूदा स्थितियों में नोटा का इस्तेमाल एक तरह से अपने वोट को बेकार करना ही अधिक है। यह कहना कठिन है कि नोटा के इस्तेमाल से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल रही है। नोटा का महत्व तभी है जब अधिसंख्य मतदाता इसी राय के हों कि उनके सामने उपस्थित कोई भी प्रत्याशी योग्य नहीं और वे सभी किसी को वोट न देने का फैसला करें। मतदाताओं के सामने सबसे कठिन समस्या यह आती है कि वह अपने मतदान का निर्धारण किस तरह करे? समर्थ राजनीतिक दल को प्राथमिकता दे या फिर सक्षम उम्मीदवार को? यह समस्या तब बढ़ जाती है जब वह जिस राजनीतिक दल को वोट देना चाहता है उसका उम्मीदवार उसके मन मुताबिक नहीं होता। यह कोई सामान्य समस्या नहीं, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कोई भी राजनीतिक दल हो वह इतने बड़े देश की समस्याओं का समाधान आनन-फानन नहीं कर सकता। इतना अवश्य है कि वह ऐसी सरकार दे सकता है जो कठोर से कठोर फैसले लेने में सक्षम हो और राष्ट्रीय हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हो। यह क्षमता किसी मजबूत सरकार में ही हो सकती है और यह किसी से छिपा नहीं कि गठबंधन सरकारें मजबूती का परिचय देने के बजाय राजनीतिक मजबूरियों का प्रदर्शन करती हैं। समस्या यह है कि अपने देश में गठबंधन राजनीति का भी कोई नियम-कायदा नहीं है। राजनीतिक स्वार्थों के आधार पर गठबंधन बनते-बिगड़ते ही रहते हैं। कई छोटे राजनीतिक दल ऐसे हैं जो हर चुनाव में किसी एक बड़े दल को छोड़कर दूसरे बड़े दल के साथ जा मिलते हैं। अब तो परस्पर विरोधी दल भी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए एक-दूसरे के साथ आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दल राष्ट्र निर्माण में सहायक नहीं होते, पर आम तौर पर वे राज्य या क्षेत्र विशेष के मुद्दों को ही अधिक महत्व देते हैं। इसके चलते कई बार वे राष्ट्रीय महत्व के मसलों की अनदेखी करते हैं या फिर उनके प्रति संकीर्ण नजरिया अपनाते हैं। निःसंदेह क्षेत्रीय बनाम राष्ट्रीय दल का सवाल भी दुविधा बढ़ाता है।

इस सबके बीच यह ध्यान रहे कि अगर राजनीतिक दल राष्ट्रीय हितों की रक्षा और देश को आगे ले जाने में समर्थ नहीं तो फिर उसके उम्मीदवार सांसद बनकर भी कुछ खास नहीं कर सकते। स्पष्ट है कि जब तक प्रत्याशी चयन की कोई पारदर्शी प्रक्रिया नहीं बनती तब तक मतदाताओं के लिए इसके अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा में समर्थ राजनीतिक दल को प्राथमिकता दें, भले ही उनके सामने उस दल का प्रत्याशी उनकी अपेक्षा पर खरा न उतरता हो।

ट्वीट

श्रद्धांजलि

शहीद भगत सिंह को शहीदी दिवस पर मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। उन्हें आज के ही दिन 1931 में राजगुरु और सुखदेव के साथ लाहौर जेल में फांसी दी गई थी। हम लोग अब उनके नजरिये और विचारों को याद करें, जो आज भी प्रासंगिक और प्रेरणास्पद हैं।

एस इरफान हबीब, प्रख्यात इतिहासकार

ज्ञान गंगा

आध्यात्मिकता

जग्गी वासुदेव

आध्यात्मिक प्रक्रिया के बारे में सबसे बुनियादी बात यही है कि आप यहां इस तरह रहते हैं मानो सिर्फ आपका ही अस्तित्व है, किसी और का नहीं। चूंकि आप हर किसी को खुद के ही रूप में देखते हैं, इसलिए कोई समस्या नहीं होती। लोग मुझसे पूछते हैं, ''सद्गुरु आप जहां भी जाते हैं, चाहे दस हजार लोग हों या एक लाख लोग, आप कैसे बोलते हैं?' मैं उनसे ऐसे बात करता हूं, जैसे मैं खुद से करता अगर मुझे ऐसी आदत होती। यहां कोई ''तुम' नहीं है। मैं जो कर रहा हूं, वह किसी तरह का भाषण या प्रवचन नहीं है, मैं बस इस तरह बात कर रहा हूं, जैसे मैं खुद से बात करता क्योंकि जब मैं अपने आस-पास देखता हों, तो किसी और को नहीं, बल्कि खुद को ही देखता हूं। आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब है कि किसी रूप में अपने अनुभव में आप सभी को खुद में शामिल करने वाले हो जाते हैं। आपके जीवन से तुलना और कॉम्पटिशन गायब हो जाते हैं। वरना तुलना के साथ शुरू होने वाली चीज कॉम्पटिशन में बदल जाती है और फिर बदसूरत रूप ले लेती है। जहां तुलना और कॉम्पटिशन हो, वहां खुशी जैसी जीवंत और सुंदर चीज भी बदसूरत हो जाती है। खुशी आपके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। खुशी का मतलब है कि आप अपने अस्तित्व को शानदार तरीके से अनुभव कर रहे हैं। जब आप समावेशी होते हैं, यानी सबको शामिल करके चलते हैं, तो आप अपने अस्तित्व को शानदार तरीके से अनुभव करते हैं, इसलिए आप आनंदित होते हैं। मैं इसलिए आनंदित नहीं हूं क्योंकि मैं सबसे अच्छा डोसा बनाता हूं या आपसे बेहतर डोसा बनाता हूं, न ही मैं इसलिए अधिक आनंदित होऊंगा क्योंकि मैं आपके पकाए हुए बेहतरीन व्यंजन खाए हैं। मैं आपके रेस्तरां में आने से पहले भी जबरदस्त रूप से आनंदित रहूंगा। अगर आप कोई अच्छी चीज बनाएंगे, तो मैं आनंदित होकर खाऊंगा। अगर आप कुछ बुरा बनाएंगे, तो मैं आनंदित होकर उसे एक ओर सरका दूंगा। आप अपने अच्छे या खराब भोजन से मुझे खुशी नहीं दे सकते, न ही मेरी खुशी छीन सकते हैं। मैं चाहता हूं कि आप और दुनिया में हर कोई ऐसा ही बन जाए, जिससे आपके भीतर घटित होने वाली चीज को कोई और तय न कर सके।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अब्बा को बचाने के लिए आतंकियों से भिड़े

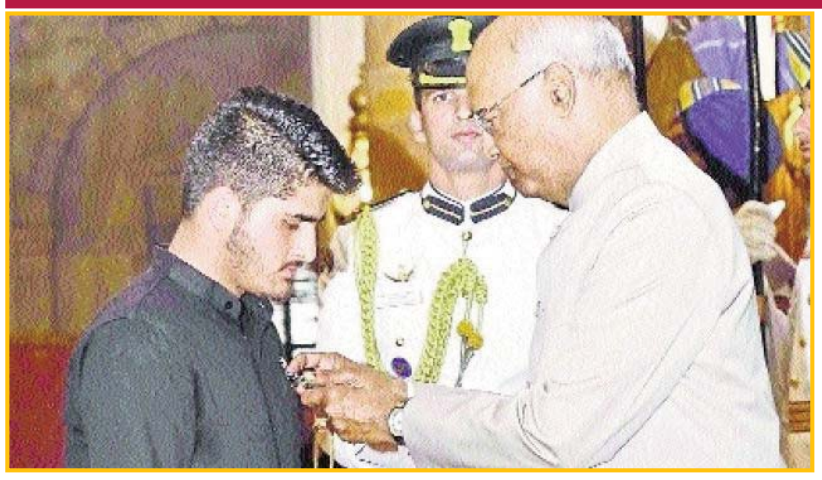

इरफान रमजान शेख, शौर्य चक्र विजेता

इरफान का जन्म जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में हुआ। शोपियां लंबे समय से अशांत इलाका रहा है। अमन-पसंद लोग हमेशा से आतंकियों के निशाने पर थे। आतंकवादी कभी नहीं चाहते थे कि इलाके का विकास हो और लोग खुशहाल जिंदगी जिएं। इरफान का बचपन ऐसे ही माहौल में बीता। उनके अब्बा मोहम्मद रमजान शेख अमन-पसंद इंसान थे। तमाम मुश्किलों के बावजूद उन्होंने अपने बच्चों को स्कूल पढ़ने भेजा। परिवार में तीन-भाई बहन थे। इरफान सबसे बड़े बेटे थे। अब्बा चाहते थे कि घाटी में अमन कायम हो, बच्चों को तालीम मिले और लोगों को सम्मान से जीने का मौका। पर दहशतगर्दों को यह कतई मंजूर नहीं था। वे तो नई पीढ़ी को भी दहशतगर्दी का पाठ पढ़ाना चाहते थे। रमजान शेख को सामाजिक और सियासी मसलों में गहरी दिलचस्पी थी। वह महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट से जुड़ गए। इस दौरान उनका इलाके के लोगों से मिलना-जुलना बढ़ता गया। वह स्थानीय लोगों को लोकतंत्र और तालीम का महत्व समझाने लगे। आतंकवादी नहीं चाहते थे कि लोग लोकतंत्र का हिस्सा बनें। पर अब्बा ने आतंकियों की धमकी के बावजूद पंचायत चुनाव में हिस्सा लिया और जीता भी। सरपंच बनने के बाद वह स्थानीय समस्याओं के समाधान में जुट गए। बतौर सरपंच उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। गांव के लोग उनकी बड़ी इज्जत करते थे। पर आतंकवादियों को यह कतई पसंद नहीं था। वे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और वोट देने वाले नागरिकों से बहुत नाराज थे। अब्बा को कई बार धमकियां मिलीं, पर उन्होंने परवाह नहीं की। वर्ष 2013 में उनके ऊपर हमला हुआ था, पर वह बाल-बाल बच गए। आतंकवादी उन्हें सबक सिखाने को आमादा थे। सबसे बड़ा बेटा होने के कारण इरफान शुरू से अब्बा के करीब थे। वह उनकी जिम्मेदारियों और चुनौतियों से वाकिफ थे। उन्हें एहसास था कि अब्बा किन मुश्किलों से जूझ रहे हैं। यह वाकया 16 अक्तूबर, 2017 का है। तब वह 14 साल के थे। रात का समय था। खाना खाने के बाद परिवार के लोग सोने चले गए। इस बीच तीन आतंकवादियों ने अचानक उनके घर को घेर लिया। घर के बाहर शोर सुनकर उन्होंने दरवाजा खोला। तीन आतंकी सामने खड़े थे। उनके हाथों में बंदूकें थीं। आंखों में नफरत और गुस्सा साफ झलक रहा था। इरफान समझ चुके थे कि आतंकी अब्बा को मारने आए हैं। आतंकवादियों ने अब्बा का नाम पुकारते हुए उन्हें बाहर आने को कहा। आतंकियों के पास हथियार थे और इरफान निहत्थे। पर अब्बा को बचाने के लिए वह बिना वक्त जाया किए आतंकियों पर अकेले ही टूट पड़े। वह नहीं चाहते थे कि आतंकी घर के अंदर घुस पाएं। वह आतंकियों से बंदूक छीनने की कोशिश करने लगे। वह जानते थे कि यदि आतंकी घर के अंदर घुस आए, तो पूरे परिवार को खत्म कर डालेंगे। आतंकियों ने इरफान को डराने के लिए गोलियां चलाईं, पर वह वहां से नहीं भागे। दहशतगर्द 14 साल के इस बच्चे का हौसला देखकर दंग थे। इस बीच फार्यरंग की आवाज सुनकर परिवार के बाकी लोगों की नींद भी टूट गई। अब्बा भागते हुए बाहर निकले। सामने बेटे को आतंकियों से भिड़ते देख उनके तो होश ही उड़ गए। उन्होंने इरफान को वहां से भाग जाने की सलाह दी, पर इरफान ने जवाब दिया, मैं आपको छोड़कर नहीं जाऊंगा। इसी दौरान आतंकियों ने जबर्दस्त फार्यरंग शुरू कर दी। उनके निशाने पर अब्बा थे। गोलियों से छलनी होकर वह जमीन पर गिर पड़े। इरफान ने एक बार फिर आतंकियों से बंदूक छीनने की कोशिश की। आतंकियों ने दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फार्यरंग की। इस दौरान एक आंतकी को भी गोली लग गई और वह मारा गया। साथी को मरा देखकर बाकी आतंकी भाग खड़े हुए। गोलियों की आवाज सुनकर गांव के लोग भी जाग गए। बेहद खौफनाक मंजर था। अब्बा खून से लथपथ जमीन पर पड़े थे। घर के लोग दहशत से कांप रहे थे। गांव के कुछ लोग अब्बा को लेकर अस्पताल की ओर भागे। इस दौरान इरफान ने भाई-बहन को संभालते हुए अब्बा के ठीक होने का भरोसा दिलाया। पर अस्पताल पहुंचने से पहले ही अब्बा ने दम तोड़ दिया। पूरे गांव में इरफान के बुलंद हौसले की तारीफ होने लगी। उनकी वजह से ही आतंकी घर के अंदर नहीं घुस पाए। इरफान की ललकार से आतंकी इतने सहम गए थे कि वे अपने साथी का शव ले जाने की हिम्मत भी नहीं कर पाए। इरफान इस समय दसवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। वह पुलिस अफसर बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं। अब उनका मकसद दहशतगर्दों को सबक सिखाना है। हालांकि आज भी उनके मन में यह मलाल है कि वह अपने अब्बा की जान नहीं बचा सके। केंद्र सरकार ने 17 साल के इरफान को उनकी बहादुरी के लिए शौर्य चक्र से सम्मानित करने का फैसला किया। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें एक भव्य समारोह में मेडल देकर सम्मानित किया।

प्रस्तुति- मीना त्रिवेदी

आईपीएल-12

आईपीएल-12 : चेन्नई का धमाकेदार आगाज, बेंगलोर को दी 7 विकेट से मात

चेन्नई।

मौजूदा चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें संस्करण के पहले मैच में विजयी शुरुआत करते हुए शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सात विकेट से हरा दिया। चेन्नई ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए बेंगलोर को 17.1 ओवर में 70 रन पर ढेर कर दिया और फिर तीन विकेट खोकर 17.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। बेंगलोर से मिले 71 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई की शुरुआत भी खराब रही और टीम ने आठ रन के स्कोर पर शेन वाटसन (0) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद अंबाती रायडू (28) और सुरेश रैना (19) ने दूसरे विकेट के लिए 32 रन की साझेदारी की। मोइन अली ने रैना को सीमा रेखा पर शिवम दुबे के हाथों कैच कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। रैना ने 21 गेंदों पर तीन चौके लगाए। रैना ने इसके साथ ही आईपीएल में अपने 5000 रन भी पूरे कर लिए और वह ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। रैना के आउट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए आए केदार जाधव (नाबाद 12) ने रायडू के साथ तीसरे विकेट के लिए 19 रन की साझेदारी की। रायडू टीम के 59 के स्कोर पर तीसरे बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। रायडू ने 42 गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया। जाधव ने 19 गेंदों पर एक चौके की मदद नाबाद 13 और रवींद्र जडेजा ने 15 गेंदों पर नाबाद छह रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। बेंगलोर की ओर से युजवेंद्र चहल, मोइन और मोहम्मद सिराज ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह की अगुवाई में अपने स्पिन गेंदबाजों के बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 70 रन पर ढेर कर दिया। आईपीएल के इतिहास में यह छठा न्यूनतम स्कोर है। वहीं, बेंगलोर का लीग में यह दूसरा न्यूनतम स्कोर है। लीग में बेंगलोर का न्यूनतम स्कोर 49 रन है, जो उसने 2017 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बनाया था। चेन्नई के कप्तान धोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई के गेंदबाजों ने अपने कप्तान के फैसले पर खरा उतरते हुए 50 रन के अंदर ही बेंगलोर के छह विकेट झटक लिए। इसके बाद टीम 20 रन और जोड़कर 17.1 ओवर में 70 रन पर सिमट गई। बेंगलोर के लिए सलामी बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने अंत तक एक छोर संभाले रखा। लेकिन दूसरे छोर पर विकेटों के लगातार गिरने के कारण पटेल भी कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 35 गेंदों पर दो चौकों की मदद से सर्वाधिक 29 रन बनाए। टेल के अलावा बेंगलोर का और कोई भी बल्लेबाज दहाई के अंकों तक नहीं पहुंच पाया। मोइन अली और अब्राहम डिविलियर्स ने नौ-नौ रन का योगदान दिया।

बालाजी-वर्दुगो चीन में एटीपी चैलेंजर के फाइनल में हारे

नई दिल्ली। एन श्रीराम बालाजी और मैक्सिको के हांस हाच वर्दुगो की चौथी वरीय जोड़ी चीन के झांगजागांग में हुए 54,160 डॉलर की ईनामी राशि वाले एटीपी चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के पुरूष युगल फाइनल में हारकर खिताब से चूक गए हैं। बालाजी-वर्दुगो की जोड़ी को आस्ट्रेलिया के मैक्स पुरसेल और ल्यूक साविले की तीसरी वरीय जोड़ी ने लगातार सेटों में 6-2, 7-6 (5) से हराया। पुरूष युगल मुकाबला एक घंटे 20 मिनट तक चला। पुरसेल-साविले की जोड़ी ने पहले सर्व पर 63 फीसदी अंक जुटाए और 40 में से 30 अंक जीते जबकि दूसरे सर्व पर उन्हें 23 में से 11 अंक मिले। उन्होंने चार में से दो बार विपक्षियों की सर्विस ब्रेक की। पुरसेल-साविले ने आठ में से चार ब्रेक अंक बचाए। उन्होंने दो डबल फाल्ट किये और चार एस भी लगाए। बालाजी-वर्दुगो की जोड़ी ने मैच में दो डबल फाल्ट किये और दो ही एस भी लगाए। उन्होंने पहले सर्व पर 69 फीसदी अंक हासिल किये और कुल 44 में से 26 अंक जीते वहीं दूसरे सर्व पर उन्हें 20 में से 9 अंक मिले। भारतीय-मैक्सिकन जोड़ी ने आठ में से चार ब्रेक अंक भुनाए। उपविजेता जोड़ी को 48 एटीपी अंक और 1800 डॉलर की ईनामी राशि मिली जबकि पुरसेल-साविले को 80 एटीपी अंक और 3100 डॉलर की ईनामी राशि मिली।

संक्षिप्त समाचार

भारत ने आखिरी क्षणों में खाया गोल, कोरिया से मैच ड्रॉ

इपोह । मैच जीतने से एक कदम की दूरी पर खड़ी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को यहां आखिरी क्षणों में विपक्षी टीम से गोल खाना महंगा पड़ा और सुल्तान अजलान शाह कप टूर्नामेंट में कोरिया के साथ उसका मुकाबला रविवार को यहां 1-1 से ड्रॉ समाप्त हो गया। बारिश के कारण प्रभावित रहे भारत और कोरिया के मैच में पहला क्वार्टर ड्रॉ रहित रहा था लेकिन मनदीप सिंह ने फिर दूसरे क्वार्टर के 28वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने इस बढ़त को आखिरी समय तक कायम तो रखा लेकिन मैच समाप्ति के आखिरी 59वें मिनट में कोरिया के जांग जोंगहियून ने बराबरी का गोल दाग भारत से जीत छीन ली।

सुरेश रैना ने रचा इतिहास, आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज सुरेश रैना इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 5000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। रैना ने यहां आईपीएल के 12वें सीजन के उद्घाटन मुकाबले में शनिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। रैना को 5000 रन तक पहुंचने के लिए 15 रनों की दरकार थी। रैना ने इससे 176 मैचों की 172 पारियों में 34.37 के औसत 4985 रन बनाए थे जिसमें 31 अर्धशतक और एक शतक भी शामिल था। आईपीएल में सर्वाधिक रनों के मामले में भारतीय टीम और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 164 मैचों की 156 पारियों 4954 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक और 34 अर्धशतक हैं। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 173 मैचों की 168 पारियों में 4493 रन बनाए हैं जिसमें 32 अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं।

विश्व कप चयन के बारे में नहीं सोच रहा : कार्तिक

कोलकाता । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान दिनेश कार्तिक ने शनिवार को कहा कि वह विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चयन को लेकर जितना कम सोचेंगे, उनके लिए उतना ही अच्छा है। कार्तिक ने लीग के 12वें संस्करण में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्वसंध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, विश्व कप के बारे में जितना कम सोचूं, मेरे लिए उतना ही अच्छा है। मेरे लिए सबसे अहम कोलकाता के लिए अच्छा खेलना और टीम का अच्छा प्रदर्शन है। मुझे उम्मीद है कि विश्व कप का रास्ता अपने आप खुलेगा। उन्होंने कहा, मेरे जैसे खिलाड़ी के लिए हर आईपीएल अहम है। इस साल का आईपीएल भी काफी महत्वपूर्ण है। यह पूछने पर कि क्या वह टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाना चाहेंगे। उन्होंने कहा, पिछले साल काफी मैच थे और मैं 17वें ओवर तक बल्लेबाजी करने उतरा। यदि मुझे अधिक ओवर मिले तो अपना हुनर दिखाने का अच्छा मौका मिलेगा।

मियामी ओपन : टूर्नामेंट से बाहर हुए ओसाका और ज्वेरेव, सेरेना रिटायर

मियामी । विश्व की नंबर एक खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका और विश्व के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जर्मनी के एलेक्सांद्र ज्वेरेव तीसरे दौर में अपने अपने एकल मुकाबलों में उलटफेर का शिकार होकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि सेरेना विलियम्सन चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गई हैं। जापानी स्टार ओसाका से सीह सू वेई ने आस्ट्रेलियन ओपन में मिली हार का बदला चुकता करते हुए महिला एकल के तीसरे दौर में 4-6, 7-6, 6-3 से जीत अपने नाम कर ली। मेलबोर्न में ओसाका से तीसरे दौर में हारीं ताइवानी खिलाड़ी ने पहला सेट हारने के बाद जबरदस्त वापसी की और ओसाका को बाहर कर दिया। दिन के अन्य चौंकाने वाले मुकाबलों में विश्व के तीसरे नंबर के ज्वेरेव की हार भी रही। स्पेन के डेविड फेरर ने ज्वेरेव को तीन सेटों के संघर्ष में 2-6, 7-5, 6-3 से पराजित किया। विश्व में 155वें नंबर के 36 वर्षीय खिलाड़ी फेरर को इस बार टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड मिला था।

वर्कलोड को लेकर बीसीसीआई से बातचीत नहीं: पोंटिंग

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें संस्करण में दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने शनिवार को कहा कि विश्व कप को देखते हुए लीग में खिलाड़ियों के वर्कलोड को लेकर उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। पोंटिंग ने यहां वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल के अपने पहले मैच की पूर्वसंध्या पर संवाददाताओं से कहा, हमें इस पर कोई निर्देश नहीं मिला है। अगर हम अपनी टीम को देखें तो आप वर्कलोड मैनेजमेंट की बात करते हैं। आप सोचते हैं कि बल्लेबाज सभी खेल खेलने के लिए उपलब्ध होंगे।उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता है कि वर्कलोड को लेकर बीसीसीआई की ओर से कोई निर्देश आने वाला है। लेकिन तेज गेंदबाज इसे (वर्कलोड को) देखने की कोशिश करेंगे। पोंटिंग ने माना कि टीम प्रबंधन को तेज गेंदबाज इशांत शर्मा पर ध्यान देने की जरूरत हैं, जो आगामी विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा हो सकते हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, ईशांत ने खुद को टीम में शामिल करने के लिए मजबूर कर दिया है। हम बस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनका ख्याल रखा जाए। उम्मीद है कि ईशांत जब टीम चयन के लिए उपलब्ध होंगे तो उस समय कॉमन सेंस को ध्यान में रखा जाएगा।

स्पेन ने जीत के साथ की यूरो क्वालीफाइंग की शुरुआत

मेड्रिड ।

स्पेन ने शनिवार रात यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए यूरो 2020 क्वालीफाइंग के अपने पहले मैच में नॉर्वे को 2-1 से पराजित किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, स्पेन ने पूरे मैच में दमदार प्रदर्शन किया, लेकिन खराब फिनिशिंग के कारण मेजबान टीम केवल दो गोल ही कर पाई। स्पेन के मुख्य कोच लुइस एनरिके ने शुरुआती-11 खिलाड़ियों में रोडिगो मोरेनो और डानी परेहो को मौका दिया। परेहो कोच के विश्वास पर खरे उतरे और 16वें मिनट में अपनी टीम को बढ़त दिला दी। नॉर्वे ने हालांकि, दूसरे हाफ की बेहतर शुरुआत की। मेहमान टीम को 63वें मिनट में पेनाल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में इनिगो मार्टिनेज ने कोई गलती नहीं की। स्पेन ने बराबरी का गोल खाने के बाद जल्द ही वापसी की। 71वें मिनट में स्पेन को पेनाल्टी मिली और सर्जियो रामोस ने गोल करके मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित कर दी।

बहुत खास होगा आज राजस्थान रॉयल्स और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच होने वाला आईपीएल मैच

जयपुर।

राजस्थान रॉयल्स टीम सोमवार को किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ 12वीं इंडियन प्रीमियर लीग के शुरूआती मुकाबले में आमने सामने होगी तो उसके ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की निगाहें क्रिकेट में शानदार वापसी पर लगी होगी। स्मिथ और डेविड वार्नर पर दक्षिण अफ्रीका में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद एक साल पहले एक वर्ष का प्रतिबंध लगा था। स्मिथ पिछले साल बांग्लादेश प्रीमियर लीग के दो मैचों में खेलते दिखे थे लेकिन कोहनी की चोट के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। यह प्रतिबंध केवल राज्य और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट तक ही सीमित था, घरेलू क्रिकेट या क्लब क्रिकेट के लिए लागू नहीं था।

वापसी के लिए आईपीएल सही मायने में शुरूआत होगी और स्मिथ इंग्लैंड में 30 मई से होने वाले विश्व कप से पहले इसका फायदा उठाने के लिए बेताब होंगे। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और जोस बटलर भी टीम का हिस्सा हैं लेकिन ये 25 अप्रैल के बाद उपलब्ध नहीं हो पाएंगे क्योंकि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने विश्व कप के लिए फरमान जारी किया हुआ है। इसलिए राजस्थान की टीम तब तक ज्यादा से ज्यादा मैच जीतना चाहेगी। स्टोक्स बल्लेबाजी और गेंदबाजी में उनके लिए फिर अहम खिलाड़ी होंगे जबकि किंग्स इलेवन पंजाब की टीम भी चाहेगी कि कल उनका ऑलराउंडर सैम कुरान बेहतरीन प्रदर्शन करे। उनकी गेंदबाजी में भी काफी गहराई है जिसमें तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट विश्व कप के लिए

भारतीय टीम में स्थान हासिल करने पर निगाह लगाए होंगे। वरूण आरोन, धवल कुलकर्णी, जोफा आर्चर, ईश सोढी और कुछ अन्य विकल्प राजस्थान के लिए विभिन्न हालात में आजमाने के लिए मौजूद होंगे। वहीं रविचंद्रन अश्विन की अगुवाई वाली पंजाब की टीम अपने सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल और लोकेश राहुल पर निर्भर होगी कि ये उसे आक्रामक शुरूआत दिलाए। वहीं पंजाब की टीम जल्दी ही वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज का विकेट झटकने की कोशिश करेगी।

कप्तान अश्विन यह साबित करने के लिए बेताब होंगे कि वह इस प्रारूप में भी अंतर पैदा कर सकते हैं। मोहम्मद शमी, एंड्रयू टाई और मुजीबुर रहमान की मौजूदगी से पंजाब की गेंदबाजी मजबूत दिखती है।

गावस्कर ने दिया मुंबई इंडियंस को जीतने का गुरुमंत्र, रोहित को लेकर कही यह बात

जालन्धर ।

टीम इंडिया के दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि मुंबई इंडियंस इस बार आईपीएल का खिताब जीतने की प्रबल दावेदार हो सकती है बशर्ते रोहित शर्मा उनका एक सुझाव मानें। गावस्कर जो क्रिकेट से संबंधित एक कार्यक्रम में पहुंचे थे, ने कहा कि मुंबई के पास इस बार बेहद संतुलित टीम है। अगर रोहित चाहते हैं कि उन्हें खिताब मिले तो वह उनसे यह गुरुमंत्र लें कि वह खुद ही ओपनिंग पर आए। इससे उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी। गावस्कर ने तर्क दिया कि रोहित टीम इंडिया के शानदार ओपनर्स में से एक है। हमने कई बार देखा है कि वह ओपनिंग स्लॉट पर जब रन बनाते हैं तो टीम के जीतने के चांस ज्यादा होते हैं।यही फार्मूला उन्हें मुंबई इंडियंस के लिए पूरी तरह लागू करना चाहिए। वह क्लीन हिट के लिए जाने जाते हैं। यही फार्मूला उन्हें मुंबई इंडियंस के लिए पूरी तरह लागू करना चाहिए। वह क्लीन हिट के लिए जाने जाते हैं। ऐसा में उनका ओपनिंग पर बने रहना उनकी टीम को फायदा दे सकता है। बता दें कि मुंबई इंडियंस का आईपीएल-12 के तहत पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल से होना है। टीम इंडिया के लिए ओपनिंग करते शिखर धवन और रोहित शर्मा पहली बार आमने-सामने होने जा रहे हैं। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम मैच जीतती है।

महिला टेनिस : मियामी ओपन में उलटफेर का शिकार नाओमी ओसाका

वाशिंगटन ।

ताइवान की सीह सू-वेई ने यहां मियामी ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 जापान की नाओमी ओसाका को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। सीह ने दो घंटे और 18 मिनट तक चले तीसरे दौर के एक कड़े मुकाबले में ओसाका को 4-6, 7-6 (4), 6-3 से मात दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ताइवान की खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार इस टूर्नामेंट के राउंड ऑफ-16 में पहुंचने में कमयाब हो पाई है। सीह का मुकाबला अब पूर्व विश्व नंबर-1 डेनमार्क की कैरोलिना वोज्नियाकी से होगा जिन्होंने तीसरे दौर में रोमानिया की क्वालीफायर मोनिका नेकुलेस्क्यू को शिकस्त दी।

इस बीच, चीन की नंबर-1 वांग क्वियांग भी अंतिम-16 में पहुंचने में कामयाब रही। उनकी प्रतिद्वंद्वी अमेरिका की सेरेना विलियम्स ने चोट के कारण तीसरे दौर के मुकाबले से नाम वापस ले लिया था। सेरेना ने कहा, मैं घुटने की चोट के कारण मियामी ओपन से नाम वापस लेकर दुखी हूं। इस साल हार्ड रॉक स्टेडियम में खेलने का मेरा अनुभव शानदार रहा। सेरेना ने कहा, मैं घुटने की चोट के कारण मियामी ओपन से नाम वापस लेकर दुखी हूं। इस साल हार्ड रॉक स्टेडियम में खेलने का मेरा अनुभव शानदार रहा।

कोई भी टीम ऐसी शुरुआत नहीं चाहेगी : कोहली

चेन्नई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें संस्करण के पहले मैच में शनिवार को मौजूदा चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों सात विकेट से मिली शिकस्त के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा कि कोई भी टीम इस तरह की शुरुआत नहीं चाहेगी। कोहली ने मैच के बाद कहा, कोई भी टीम इस तरह से शुरुआत नहीं करना चाहेगी। लेकिन खेल में इस तरह का होना अच्छी बात है। मैदान पर खिलाड़ियों के रवैये से मैं खुश हूं। मुझे पता है कि हमारी बल्लेबाजी सही नहीं थी और हम वापसी करेंगे। चेन्नई ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए बेंगलोर को 17.1 ओवर में 70 रन पर ढेर कर दिया और फिर तीन विकेट खोकर 17.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। बेंगलोर के कप्तान ने कहा, विकेट बल्लेबाजी के अनुकूल दिख रहा था। हमें लगा कि यहां पर 140-150 का स्कोर एक अच्छा स्कोर होगा। लेकिन टीम बल्लेबाजी में संघर्ष करती दिखी।कोहली ने टीम के तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को लेकर कहा, वह (सैनी) 150 किलोमीटर की रफ्तार के आस-पास गेंदबाजी कर रहे हैं, जो कि अच्छा है। वह एक घातक गेंदबाज बनने की ओर अग्रसर हैं और हम उन पर नजर रख रहे हैं।

राज्य में अगले 48 घंटे हिटवेव की चेतावनी

सूरत। गुजरात में गर्मी ने जोरदार दस्तक दी है और पिछले तीन-चार दिनों से तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के दौरान हिटवेव की चेतावनी जारी की है। चार दिन से राज्य में हो रही गर्मी से लोग परेशान हैं। यह तो अभी शुरुआत है, जब शुरुआत ऐसी ही तो आगे क्या हाल होगा। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 48 घंटों के दौरान सौराष्ट्र-कच्छ के तटीय इलाके जैसे पोरबंदर, गिर सोमनाथ, सुरेन्द्रनगर, भावनगर इत्यादि में हिटवेव का असर रहेगा। आगामी दो दिनों के दौरान राज्य में उत्तर पश्चिम एवं उत्तर पूर्व की गर्म हवा के कारण गर्मी से राहत मिलने की कोई गुंजाईश नहीं है7 दक्षिण गुजरात के तापमान में एक दिन में 5 डिग्री की वृद्धि हुई है। दिन का तापमान 40 डिग्री

सूरत। गर्मी के मौसम में धरती के अमृत समान गन्ने का रस पीने के लोगों की लगी भीड़।

सेल्सियस और रात का 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। गुजरात के ज्यादातर शहरों के तापमान में अचानक वृद्धि से लोग पसीने से लथपथ होने लगे हैं। सोमवार को गुजरात के ज्यादातर हिस्सों का तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच गया। जिसमें अहमदाबाद में 37.9 डिग्री, डीसा में 37.2 डिग्री, गांधीनगर में 37.2 डिग्री, वडोदरा में 39.1 डिग्री, सूरत में 39.6 डिग्री, वलसाड में 39.4 डिग्री, अमरेली में 40 डिग्री, पोरबंदर में 39.6 डिग्री, राजकोट में 39.5 डिग्री, वेरावल में 39.8 डिग्री, महुवा में 40.8 डिग्री, भुज में 38.2 डिग्री और कंडला पोर्ट में तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अगले 48 घंटों के दौरान तापमान में 5 डिग्री वृद्धि की संभावना है।

तोगड़िया ने गांधीनगर में अमित शाह के मुकाबले अमरीश पटेल को उतारा

गांधीनगर। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नुकसान पहुंचाने की पूरी तैयारी कर ली है। विहिप से अलग होकर दिल्ली में प्रवीण तोगड़िया ने पहले अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की स्थापना की और कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपना राजनीतिक दल हिंदुस्तान निर्माण दल भी पंजीकृत कराया। उनकी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में नौ प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। उन्होंने गांधीनगर सीट से भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के मुकाबले अमरीश पटेल को उतारा है।

उन्होंने कुल 9 प्रत्याशी उतारे हैं। अमित शाह गुजरात के गांधीनगर सीट से चुनाव मैदान में हैं। इस सीट पर तोगड़िया की पार्टी ने अमरीश पटेल को टिकट दिया है। यह सीट भाजपा की पारंपरिक सीट है। यहां से भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक आलकृष्ण आडवाणी चुनाव लड़ चुके हैं। आडवाणी को इस बार टिकट नहीं दिया गया है। वे साल 1998 से लगातार इसी सीट से सांसद रहे। हालांकि जानकार मानते हैं कि गांधी नगर सीट पर तोगड़िया की पार्टी के प्रत्याशी कांग्रेस को नुकसा पहुंचाएंगे।

वहीं हिंदुस्तान निर्माण दल का दावा है कि अमरीश पटेल गुजरात में सीए एसोसिएशन के 3 बार प्रमुख रह चुके हैं। वह 30 साल से प्रवीण तोगड़िया के करीबी हैं। बताया जाता है कि अमरीश का पाटीदार समाज में काफी प्रभाव है। वह भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को कड़ी टक्कर दे सकते हैं। प्रवीण तोगड़िया ने गांधीनगर सीट पर भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के मुकाबले अमरीश पटेल को मैदान में उतारा है। अहमदाबाद पूर्व से ऋषि वेकरिया, अहमदाबाद पश्चिम से आर के चौहान, कच्छ से प्रवीण, साबरकांठा से हसमुख पटेल, सुरेंद्रनगर से डारजी देकावाडिया, जूनागढ़ से गोपाल मोवलिया, पंचमहल से विजय सिंह रौठौड़, दाहोद से रामसंग कालारा को अपनी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में उतारा है।

इसी के साथ असम के 7, उड़ीसा के 5 और यूपी के 16 प्रत्याशी की घोषणा भी की है। साथ ही तोगड़िया फिलहाल खुद भी चुनावी मैदान में उतरने की भी चर्चा ने ज़ोर पकड़ा है। तोगड़िया की तरफ से भी कहा जा रहा है की 27 मार्च के बाद अन्य सीटों के प्रत्याशी का ऐलान किया जाएगा। साथ ही यह भी तय होगा की तोगड़िया पीएम के सामने बनारस से चुनावी मैदान में उतरेंगे या बनारस से कोई ओर प्रत्याशी होगा।

सूरत। डिंडोली गाम में स्थित उमिया माता के मंदिर की 4 सालगीरा के उपलक्ष्य में पुजन एवं हवन का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों भक्तों पुजा एवं हवन में आहुती अपर्ण की।

कंपनी में आग से मचा कोहराम, एक कर्मचारी की मौत

भरुच। भरुच के दहेज स्थित एक ऑर्गेनिक कंपनी में आज सुबह भड़की आग से कोहराम मच गया। इस घटना में कंपनी के एक कर्मचारी की जलकर मौत हो गई, जबकि अन्य सात झुलस गए। घायलों को भरुच और वडोदरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के दहेज स्थित मेघमणी ऑर्गेनिक कंपनी के प्लांट आज सुबह अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। खबर मिलते ही आठ से ज्यादा फायर फाइटर घटनास्थल पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने के प्रयास तेज कर दिए। आग की इस घटना में एक कर्मचारी की जलकर मौत हो गई। जबकि सात कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए। घायलों को भरुच और वडोदरा के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। खबर है कि कंपनी का एक कर्मचारी अब भी लापता है। कंपनी में आग सोलवंट की वजह से लगी होने की आशंका है।

आतंकवादियों और विद्रोहियों का संपूर्ण खात्मा हो रहा है : योगी

आतंकवाद खिलाफ मोदी शासन में जीरो टॉलरेंस की नीति : योगी

घाटलोडिया में प्रभात चौक पर जनसभा में योगी आक्रामक दिखाई दिए कांग्रेस आस्था का सम्मान नहीं कर सके : परिवारवाद से देश को नुकसान

अहमदाबाद । गुजरात में लोकसभा की सभी २६ सीटों पर जीतने का दृढ़ इरादे के साथ भाजपा पार्टी ने आक्रामक तैयारी शुरू कर दी है । जिसके तहत भाजपा के नेता चुनाव प्रचार में लग गये है । स्टार प्रचारक भी अब मैदान में आ गये है । मंगलवार को यूपी के मुख्यमंत्री और भाजपा के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ अहमदाबाद में प्रचार करने के लिए पहुंचे । शाम को अहमदाबाद शहर के घाटलोडिया क्षेत्र में प्रभात चौक पर योगी आदित्यनाथ ने सभा आयोजित की जिसमें बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए । योगी ने सभा में एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के कामकाज की प्रशंसा की । इसके साथ यह भी कहा कि, हाल के दिनों में मोदी है तो मुमकीन है नारे लोगों में लोकप्रिय हो गये है । उन्होंने कहा कि, यह नारा सिर्फ नारा नहीं है । काम करके बताया गया है । पहले आतंकवाद के खिलाफ कोई कदम उठाया नहीं जाता था लेकिन मोदी सरकार आने के बाद आतंकवाद और विद्रोहियों के विरूद्ध टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है । विद्रोहियों के विरूद्ध पहले सर्जिकल स्ट्राइक की गई थी । इसके बाद आतंकवादियों के विरूद्ध पाकिस्तान में घुसकर दो बार कार्रवाई की गई है यह आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति को बताता है । उन्होंने कहा कि, आस्था का सम्मान भाजपा कर सकती है । कांग्रेस पार्टी का यह काम नहीं है । मोदी सरकार की सिद्धि की उन्होंने बात की । उन्होंने कहा कि, मोदी सरकार के शासनकाल में चार करोड लोगों को बिजली कनेक्शन, ८ करोड़ लोगों को गैस कनेक्शन और लाखों लोगों को आवास की सुविधा मिल गई है। लाखों लोगों के बैंक खाते खुल गये हैं । कांग्रेस के लोग चुनाव समय सिर्फ बड़े वादे देकर मतदाताओं को गुमराह करते हैं । ५५ वर्ष तक देश में कांग्रेस का शासन रहा है लेकिन गरीबी कम होने के बजाय गरीबी बढ़ गई थी । कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि, इस पार्टी में वंशवाद और परिवारवाद की राजनीति रही है । परिवारवाद से आगे यह पार्टी नहीं बढ़ सकी है । परिवारवाद और वंशवाद की वजह से देश को भारी नुकसान हुआ है। योगी ने घाटलोडिया में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, मोदी की नीति की वजह से आज वाराणसी वैश्विक नक्शे पर है । विश्वभर में एक नई पहचान वाराणसी को मिली है । प्रयागराज में हाल में ही कुंभ का सफल आयोजन किया गया था जिसमें २०१३ की तुलना में कई गुना ज्यादा लोग पहुंचे थे । प्रयागराज में इतनी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे फिर भी कोई अराजकता नहीं हुई थी । कुंभ में पहुंचे सभी लोग इस बार प्रशंसा किए बिना नहीं रह सके। २०१३ में महाकुंभ का आयोजन किया गया था तब अराजकता और मारपीट की कई घटनाएं हुई थी जिसकी वजह से इसकी प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ था । वाराणसी में सांसद के तौर पर मोदी पहुंचने के बाद वाराणसी में एक के बाद एक विकास काम शुरू किए गए हैं । अमित शाह का नामांकन फॉर्म भरना गर्व की बात है। भाजपा को सबसे बड़ी पार्टी बनाने में भूमिका निभाने वाले अमित शाह के मार्गदर्शन के तहत पार्टी ज्यादा मजबूत तरीके से आगे बढ़ रही है।

राज्य की दो सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों का ऐलान

नवसारी सीट पर भाजपा उम्मीदवार सीआर पाटिल को कांग्रेस के धर्मेश पटेल देंगे चुनौती

सूरत। कांग्रेस ने गुजरात की और दो सीटों पर उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं। जिसमें कच्छ सीट से नरेश महेश्वरी और नवसारी लोकसभा सीट से धर्मेश पटेल को कांग्रेस ने उम्मीदवार घोषित किया है। कच्छ सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार नरेश महेश्वरी का मुकाबला भाजपा प्रत्याशी और मौजूदा सांसद विनोद चावड़ा से होगा। वहीं नवसारी सीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वसनीय सांसद सीआर पाटिल कांग्रेस प्रत्याशी को टक्कर देंगे। इससे पहले कांग्रेस आणंद से भरतसिंह सोलंकी, वडोदरा से प्रशांत पटेल, छोटा उदेपुर से रणजीतसिंह राठवा और अहमदाबाद पश्चिम लोकसभा सीट से राजू परमार के नाम का ऐलान कर चुकी है। गुजरात की कुल 26 लोकसभा सीटें है, जिसमें कांग्रेस ने अब तक 6 उम्मीदवार घोषित किए हैं। वहीं भाजपा 16 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर चुकी है।

चुनाव साहित्य सामग्री वार्ड के अनुसार देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शहर के घोडाकेम्प क्षेत्र से वितरण का काम शुरू किया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**